C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2´4) (1×1) = 9

चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था। काकोरी ट्रेन डकैती और साण्डर्स की हत्या में सम्मिलित निर्भीक महान देशभक्त व क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अहम् स्थान रखता है।

आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। मां जगरानी से काशी में संस्कृत पढ़ने की आज्ञा लेकर घर से निकले। दिसंबर 1921 गांधी जी के असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।

चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया। उन्हें अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई। हर कोड़े की मार पर, 'वन्दे मातरम्' और 'महात्मा गाँधी की जय' का उच्च उद्घोष करने वाले

बालक चन्द्रशेखर सीताराम तिवारी को इस घटना के पश्चात् सार्वजनिक रूप से चंद्रशेखर 'आज़ाद' कहा जाने लगा।

1. चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
2. चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में किस से प्रभावित थे? दिसंबर 1921 में आज़ाद कौन-से आंदोलन में सहभागी हुए?
3. चंद्रशेखर गिरफ्तार हुए तब उन्होंने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना परिचय कैसे दिया?
4. चंद्रशेखर को मजिस्ट्रेट ने क्या सज़ा सुनाई?
5. चंद्रशेखर को गिरफ्तार के किसके समक्ष उपस्थित किया गया?

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

वह चले झोंके कि काँपे
भीम कायावान भूधर,
जड-समंत उखड़-पुखड़कर
गिर पडे, टूटे विटप-वर
हाय ! तिनकों से विनिर्मित
घोंसलों पर क्या न बीती,
डगमगाए जबकि कंकड़,
ईंट-पत्थर के महल-घर
बोल आशा के विहंगम,
किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज तान फिर-फिर

'निर्माण'
कवि - हरिवंशराय 'बच्चन'

1. प्रस्तुत कविता के आधार पर बताइए कि आँधी ने किस-किस पर कैसा प्रभाव डाला?

2. कवि ने घोंसलों की तुलना किससे और क्यों की है?

3. 'आशा के विहंगम' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

खण्ड ख

प्र. 3. शब्द, पद के रूप में कब बदल जाता है? उदाहरण देकर शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए। 1+1=2

प्र.4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

(क) मेहनती लोग उन्नति करते हैं। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) मदन आकर चला गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) राज के पास जो कुछ था, वह खो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2

नीलगाय, पाप-पुण्य

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :1+1=2

देश का भक्त, चंद्र जैसा मुख

प्र.6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=4

(क) इधर-उधर की व्यर्थ की बातें मत करो।

(ख) शायद मेरा मित्र अवश्य आएगा।

(ग) उन्हीं को क्या चाहिए?

(घ) वह कमर कसा बैठा है।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1+1=2

1. लाल-पीला होना

2. आँखों का तारा

खण्ड ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

(ख) बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

(ग) बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?

प्र. 8 ब अपने जीवन की किसी घटना का उल्लेख कीजिए जब- शुद्ध आदर्श में व्यावहारिकता का पुट देने से लाभ हुआ हो। 5

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में चारों ओर से दुखों से घिरने पर कवि परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी अपने से क्या अपेक्षा करता है?

(ग) गोपियों द्वारा श्री कृष्ण की बाँसुरी छिपाए जाने में क्या रहस्य है?

प्र. 9 ब 'मेखलाकार' शब्द का क्या अर्थ है? कवि ने इस शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया है? 5

प्र. 10. पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

खण्ड घ

प्र. 11. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

- "अतिथि देवो भवः"
- वर्तमान युग में इंटरनेट

प्र.12. आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है,क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए। 5

प्र. 13. मीरा इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली में हिंदी साहित्य समिति के सचिव हैं। आपके विद्यालय में आयोजित भाषण प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखें। 5

प्र. 14. फूल बेचनेवाला और एक बूढ़े व्यक्ति के बीच हो रहा संवाद लिखिए। 5

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए :
गुलाब जामुन मिक्स का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2´4) (1×1) = 9

चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था। काकोरी ट्रेन डकैती और साण्डर्स की हत्या में सम्मिलित निर्भीक महान देशभक्त व क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अहम् स्थान रखता है।

आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। मां जगरानी से काशी में संस्कृत पढ़ने की आज्ञा लेकर घर से निकले। दिसंबर 1921 गांधी जी के असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।

चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया। उन्हें अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई। हर कोड़े की मार पर, 'वन्दे मातरम्' और 'महात्मा गाँधी की जय' का उच्च उद्घोष करने वाले

बालक चन्द्रशेखर सीताराम तिवारी को इस घटना के पश्चात् सार्वजनिक रूप से चंद्रशेखर 'आज़ाद' कहा जाने लगा।

1. चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
   उत्तर : चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था।

2. चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में किस से प्रभावित थे? दिसंबर 1921 में आज़ाद कौन-से आंदोलन में सहभागी हुए?
   उत्तर : चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। दिसंबर 1921 गांधी जी के असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।

3. चंद्रशेखर गिरफ्तार हुए तब उन्होंने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना परिचय कैसे दिया?
   उत्तर : चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया।

4. चंद्रशेखर को मजिस्ट्रेट ने क्या सज़ा सुनाई?
   उत्तर : मजिस्ट्रेट ने अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई।

5. चंद्रशेखर को गिरफ्तार के किसके समक्ष उपस्थित किया गया?
   उत्तर : चंद्रशेखर को गिरफ्तार कर मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

वह चले झोंके कि काँपे
भीम कायावान भूधर,
जड-समंत उखड़-पुखड़कर
गिर पडे, टूटे विटप-वर
हाय ! तिनकों से विनिर्मित
घोंसलों पर क्या न बीती,
डगमगाए जबकि कंकड़,
ईंट-पत्थर के महल-घर
बोल आशा के विहंगम,
किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज तान फिर-फिर

'निर्माण'

कवि - हरिवंशराय 'बच्चन'

1. प्रस्तुत कविता के आधार पर बताइए कि आँधी ने किस-किस पर कैसा प्रभाव डाला?

   उत्तर : आँधी के झोंके से पहाड़ काँपने लगे, बडे-बडे पेड़ जड़ सहित धरती से उखड़ कर गिर पडे, छोटे-छोटे घोंसले तिनका-तिनका होकर बिखर गए तथा ईंट पत्थर से बने महल धाराशायी हो गए।

2. कवि ने घोंसलों की तुलना किससे और क्यों की है?

   उत्तर : कवि ने घोंसलों की तुलना बडे-बडे ईंट पत्थरों से बने महलों से की है, क्योकि जब तूफान से बडे-बडे महल गिर गए, तब छोटे-छोटे घोंसलों की क्या दशा हुई होगी? वे भी छिन्न-भिन्न होकर बिखर गए।

3. 'आशा के विहंगम' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'आशा के विहंगम' से तात्पर्य है - आशा रुपी पक्षी। कवि कहता है कि वह पक्षी मनुष्य के अंदर कहीं छिपा बैठा है और सुबह की किरण देखते ही नए उत्साह के साथ एक नया निर्माण करने के लिए उड़ने लगा है।

खण्ड ख

प्र. 3. शब्द, पद के रूप में कब बदल जाता है? उदाहरण देकर शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए। 1+1=2

उत्तर : शब्द वर्णों या अक्षरों के सार्थक समूह को कहते हैं।

उदाहरण के लिए क, म तथा ल के मेल से 'कमल' बनता है जो एक खास के फूल का बोध कराता है। अतः 'कमल' एक शब्द है कमल की ही तरह 'लकम' भी इन्हीं तीन अक्षरों का समूह है किंतु यह किसी अर्थ का बोध नहीं कराता है। इसलिए यह शब्द नहीं है। इसका रूप भी बदल जाता है।

जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे शब्द न कहकर पद कहा जाता है।

हिन्दी में पद पाँच प्रकार के होते हैं -

1. संज्ञा
2. सर्वनाम
3. विशेषण
4. क्रिया
5. अव्यय

प्र.4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

(क) मेहनती लोग उन्नति करते हैं। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

उत्तर : सरलवाक्य

(ख) मदन आकर चला गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : मदन आया और चला गया।

(ग) राज के पास जो कुछ था, वह खो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : राज का सब-कुछ खो गया।

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2

नीलगाय, पाप-पुण्य

उत्तर : नीलगाय नीली है जो गाय - कर्मधारय समास

पाप-पुण्य पाप और पुण्य - द्वंद्व समास

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :1+1=2

देश का भक्त, चंद्र जैसा मुख

उत्तर : देश का भक्त - देशभक्त - संबंध तत्पुरुष समास

चंद्र जैसा मुख - चंद्रमुख - कर्मधारय समास

प्र.6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=4

(क) इधर-उधर की व्यर्थ की बातें मत करो।

उत्तर : व्यर्थ में इधर-उधर की बातें मत करो।

(ख) शायद मेरा मित्र अवश्य आएगा।

उत्तर : मेरा मित्र अवश्य आएगा।

(ग) उन्हीं को क्या चाहिए?

उत्तर : उन्हें क्या चाहिए?

(घ) वह कमर कसा बैठा है।

उत्तर : वह कमर कसे बैठा है।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1+1=2

1. लाल-पीला होना - क्रोधित होना
   नौकर से प्याला टूटने पर सेठ लाल-पीला होने लगा।
2. आँखों का तारा - अतिप्रिय
   अमर अपनी माँ की आँखों का तारा है।

खण्ड ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

उत्तर : तताँरा-वामीरो एक लोक कथा है। यह देश के उन द्वीपों की कथा है जो आज लिटिल अंदमान और कार-निकोबार नाम से जाने जाते हैं। निकोबारियों का मानना है कि प्राचीन काल में ये दोनों द्वीप एक ही थे।

(ख) बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

उत्तर : लगातार बढ़ती आबादी की आवास की समस्या से निपटने के लिए बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे धकेल रहे थे।

(ग) बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?

उत्तर : बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल पूछते थे कि - 'कहाँ थे?'

प्र. 8 ब अपने जीवन की किसी घटना का उल्लेख कीजिए जब- शुद्ध आदर्श में व्यावहारिकता का पुट देने से लाभ हुआ हो। 5

शुद्ध आदर्श में व्यावहारिकता का पुट देकर एक बार मैंने शिक्षक से शाबाशी भी पा ली और एक विद्यार्थी को नक़ल करने से भी रोक दिया। हुआ यूँ कि एक बार परीक्षा भवन में मेरे आगे बैठा विद्यार्थी नक़ल कर रहा था। मैं उसे रोकना चाह रहा था परन्तु यदि उसकी शिकायत में सीधे जाकर शिक्षक से करता तो बाद में वह मुझसे बदला अवश्य लेता इसलिए मैंने इशारे से शिक्षक को उसकी करतूत बता दी परिणामस्वरूप शिक्षक ने उसकी सारी नक़ल की सामग्री चुपचाप फाड़कर कूड़े में फैंक दी।

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस कथन का अर्थ है कि संसार के सभी मनुष्य आपस में भाई-भाई हैं। इसलिए सभी को प्रेम भाव से रहना चाहिए, सहायता करनी चाहिए। कोई पराया नहीं है। सभी एक दूसरे के काम आएँ। प्रत्येक मनुष्य को निर्बल मनुष्य की पीड़ा दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में चारों ओर से दुखों से घिरने पर कवि परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी अपने से क्या अपेक्षा करता है?

उत्तर : 'आत्मत्राण' कविता में चारों ओर से दुखों से घिरने पर कवि परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी अपने से अपेक्षा करता है कि वह यह नहीं चाहता कि उस पर कोई विपदा न आए, जीवन में कोई दुख न आए बल्कि वह यह चाहता है कि वह मुसीबत तथा दुखों से घबराएँ नहीं, बल्कि आत्म-विश्वास के साथ निर्भीक होकर हर परिस्थितियों का सामना करने का साहस उसमें में आ जाए।

(ग) गोपियों द्वारा श्री कृष्ण की बाँसुरी छिपाए जाने में क्या रहस्य है?

उत्तर : गोपियाँ बात करने की लालसा में श्री कृष्ण की बाँसुरी छिपा लेती हैं।

प्र. 9 ब 'मेखलाकार' शब्द का क्या अर्थ है? कवि ने इस शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया है? 5

उत्तर : मेखलाकार' शब्द का अर्थ है - 'करधनी' के आकार के समान। यह कटि भाग में पहनी जाती है। पर्वत भी मेखलाकार की तरह गोल लग रहा था जैसे इसने पूरी पृथ्वी को अपने घेरे में ले लिया है। कवि ने इस शब्द का प्रयोग पर्वत की विशालता दिखाने और प्रकृति के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए किया है।

प्र. 10. पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

1) पीटी सर शरीर से दुबले-पतले, ठिगने कद के थे, उनकी आँखे भूरी और तेज़ थीं। वे खाकी वर्दी और लम्बे जूते पहनते थे।
2) वे बहुत अनुशासन प्रिय थे। बच्चे उनका कहना नहीं मानते तो वे दंड देते थे।
3) वे कठोर स्वभाव के थे, उनके मन में दया भाव न था। बाल खींचना, ठुडढे मारना, खाल खींचना उनकी आदत थी।
4) इनके साथ वे स्वाभिमानी भी थे। नौकरी से निकाले जाने पर वे हेडमास्टर जी के सामने गिड़ गिड़ाए नहीं बल्कि चुपचाप चले गए।

खण्ड घ

प्र. 11. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

"अतिथि देवो भवः"

हमारे पूर्वजों का मानना था कि वे लोग बहुत भाग्यवान होते हैं जिनके घर मेहमान आते हैं। तभी तो यहाँ की संस्कृति में लिखा गया है कि 'अतिथि देवो भवः'। भारत संस्कृति और परंपराओं का देश है। यहाँ लोग परंपराओं का विशेष आदर करते हैं। भारत एक ऐसा देश है जिसमें एक नहीं अनेकों विशेषताएँ हैं। फिर चाहे वो अपनत्व की भावना हो, फिर चाहे वो रिश्तों का मान सम्मान हो, सब कुछ अपने आप में विशाल है। इन सब के अलावा एक और परंपरा है हमारे देश में जो युगों-युगों से चली आ रही है, और आज भी चल रही है और वो परम्परा है, "अतिथि देवो भवः" की ! अतिथि को भगवान के समान पूज्यनीय समझा जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण का सुदामा का आतिथ्य सत्कार करना अतिथि देवोभव का उत्तम उदाहरण हैं। -

श्रीकृष्ण जिस तरह अतिथि सुदामा का नाम सुनते ही नंगे पाँव उनके दर्शन के लिए अकुलाते हुए पहुँचते हैं, घायल पैरों को अपने हाथ से धोकर कृष्ण अपनी महानता दिखाते हैं। टूटे तंदुल को सुदामा से माँग कर जितनी आत्मीयता में भगवान फाका मारते हैं, अपने आप में अवर्णनीय है।

संसार के प्रत्येक व्यक्ति का हिदुस्तान में इतना भावभीना स्वागत किया जाता है। इस लिए आज देश सरकार हम सभी को सिर्फ एक बात बार-बार रट्टू तोते की तरह याद करवा रही है कि, "अतिथि देवो भवः" देश में आने वाले सभी विदेशी मेहमानों का हमें ध्यान रखना चाहिए, उनसे

हमारी रोजी रोटी चलती है, वह देश की अर्थव्यवस्था में बहुत सहयोग करते हैं !

वर्तमान परिस्थितियों में शहरीकरण, घर के स्त्री-पुरुष का कामकाजी होना तथा एकल परिवारों का चलन बढ़ने के कारण भी हमारी इस परंपरा का निर्वाह नहीं हो पा रहा है। लोगों का संयुक्त परिवारों से अलग होना भी हमारी इस अतिथि देवो भव की संस्कृति को शने-शने भूलने का कारण बनता जा रहा है क्योंकि पहले सब लोग गाँवों में एक साथ में रहते थे, इसलिए खर्च का बोझ भी साझे होता था, जगह की कोई कमी नहीं होती थी, आवागमन की इतनी सुविधा न होने के कारण मेहमान भी साल छ:महीने में ही आ पाते थे इसलिए अतिथियों का आना उत्साह और आनंद का कारण होता था परन्तु आज के परिवेश में महँगाई इतनी बढ़ गई है कि अपना तथा अपने परिवार का पेट भरना ही मुश्किल होता जा रहा है, रहने की जगह की कमी हो गई है। वहाँ पर अतिथि के आने की कल्पना से मनुष्य का हृदय काँपने लगता है। वर्तमान परिवेश सभी चाहते हैं कि वे भी आनंद के साथ हँसी ख़ुशी मेहमानों के साथ अपना समय व्यतीत करें परन्तु बढ़ता खर्च और कम आमदनी और महँगाई से सामंजस्य न बिठा पाने के कारण हम अतिथि देवो भव परंपरा का पालन चाह कर भी नहीं कर पा रहे हैं।

वर्तमान युग में इंटरनेट

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इंटरनेट से तात्पर्य एक ऐसे नेटवर्क से है जो दुनिया भर के लाखों करोड़ों कम्प्यूटरों से जुड़ा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय

पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। इंटेरनेट की संकल्पना ने “गागर में सागर” को चरितार्थ कर दिया है।

आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम, फ़िल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सबकुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंको, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। ई कॉमर्स और ई बाजार की दिनानुदिन बढ़ती लोकप्रियता ने सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी को मिटा दिया है। ई बैंकिंग ने बैंकिंग सेवाओं को खाताधारकों के द्वार तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी।

इसका दुरुपयोग भी होता है - वाइरस, अश्लील तस्वीरें भेजना, बैंक में से पैसे निकाल लेना आदि। समय की माँग है कि अंतरजाल पर घटित हो रही अवांछित गतिविधिओं पर यथाशीघ्र अंकुश लगाया जाय और इसके दुष्प्रयोग को रोकने के लिए कठोर वैधानिक प्रावधान लाए जायें। सबको इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

प्र.12. आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है,क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए। 5

सेवा में,

मुख्य अधिकारी,

नगर निगम,

नई दिल्ली।

विषय - अपने क्षेत्र की सड़कों की दुर्दशा हेतु पत्र।

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं विजय नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। सड़कों पर गड्ढे हो गए है, जिसमें पानी भर जाने की वजह से मच्छर बढ़ने की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। सड़क दुर्घटना भी बढ़ने लगी है।

आशा है कि आप इस समस्या पर गौर करेंगे और शीध्र ही आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय

किशोर कत्याल

28, नटेशन स्ट्रीट,

विजय नगर,

नई दिल्ली

दिनांक : 15 अप्रैल, 20xx

प्र. 13. मीरा इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली में हिंदी साहित्य समिति के सचिव हैं। आपके विद्यालय में आयोजित भाषण प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखें। 5

सूचना

हिंदी साहित्य समिति

मीरा इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली

11 जुलाई 20 - -

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अंतर्रविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं।

दिनांक - 15 जुलाई 20 - -

समय - प्रातः 11 बजे

स्थान - विद्यालय सभागार

विषय - भाषण

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 15 जुलाई 20-- तक हिंदी साहित्य समिति के सचिव को दें।

पंकज मिश्रा

सचिव

हिंदी साहित्य समिति

प्र. 14. फूल बेचनेवाला और एक बूढ़े व्यक्ति के बीच हो रहा संवाद लिखिए। 5

फूलवाला : क्या चाहिए दादाजी?

बूढ़ा व्यक्ति : मोगरे के फूल कैसे दिए?

फूलवाला : यह १० रु. के है।

बूढ़ा व्यक्ति : इतने से ! हमारे जमाने में तो २ रु. के इससे ज्यादा मिलते थे। अब ५ रु. होगा।

फूलवाला : नहीं दादाजी आपका जमाना गया।

बूढ़ा व्यक्ति : हाँ मैं भी समझता हूँ, तभी तो ५ रु. बोल रहा हूँ।

फूलवाला : नहीं १० रु. ही है। महंगाई बढ़ गई है।

बूढ़ा व्यक्ति : अच्छा। क्या करे दे दो।

फूलवाला : और कुछ?

बूढ़ा व्यक्ति : नहीं बाबा इतनी महंगाई में एक ही बस है।

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

गुलाब जामुन मिक्स का विज्ञापन तैयार कीजिए।

माँ का प्यार गुलाब जामुन मिक्स

अब गुलाब जामुन घर पर बनाना हुआ आसान,

माँ का प्यार गुलाब जामुन मिक्स के साथ